Regarding expansion of Madurai Airport

श्री दरोगा प्रसाद सरोज **(**लालगंज**) :** धन्यवाद महोदया, मैं सदन के माध्यम से कुछ कहना चाहूंगा । किसी ने लिखा है कि ?

महसूस ये होता है ये दौरे तबाही है, शीशे की अदालत में, पत्थर की गवाही है ।

दुनिया में कहीं इसकी तफसील नहीं मिलती, कातिल ही मुहा़फिज है ।

माननीय सभापति **:** माननीय सदस्य, शून्य काल है, इसलिए विषय पर बोलिए ।

श्री दरोगा प्रसाद सरोज **:** महोदया, मैं उत्तर प्रदेश से आता हूं । ? (व्यवधान) आप लोग सुनने की कोशिश कीजिए । ऐसे बैसाखी पर आप नहीं चलेंगे ।

माननीय सभापति **:** माननीय सदस्य, आप विषय पर बोलिए ।

श्री दरोगा प्रसाद सरोज **:** सुनने की आदत डालो । कल वहां हम भी होंगे और आप इधर होंगे । बैसाखी पर नहीं चलोगे । कब तक जालिम जुल्म करेगा सत्ता के गलियारों से, जर्रा-जर्रा गूंज रहा है क्रांतिकारी नारों से । पूरा प्रदेश त्रस्त हो रहा है आपके कारनामों से ।

माननीय सभापति **:** माननीय सदस्य, आप विषय पर बोलिए ।

श्री दरोगा प्रसाद सरोज **:** महोदया, मैं विषय पर आ रहा हूं । उत्तर प्रदेश के जनपद आजमगढ़, 68 लोक सभा, लालगंज से मैं आता हूं । मैं दलित परिवार से हूं । आपके संज्ञान में इस सदन के माध्यम से मैं यह बताना चाहता हूं कि मंदुरी हवाई अड्डा है । जब वह बना तब विरोध नहीं हुआ । मैं समझता हूं कि 85 फीसदी लोगों की रोजी-रोटी उसकी मां, उसकी जमीन है । उसकी मां को छीना जा रहा है । किसानों ने डेढ़-दो साल से आंदोलन किया और आज भी आंदोलित हैं ।

सभापति महोदया, मैं सदन के माध्यम से आपसे कहना चाहूंगा कि उसकी माँ को मत छिनो । यदि माँ को छिनोगे तो क्रांति हो जाएगी । यह घमंड टूट जाएगा । हम सारे लोग आंदोलित होंगे । इसलिए, उसके बारे में आप पुन: सरकार से यह कहिए कि वहां मंदुरी हवाई अड्डे का विस्तारीकरण न हो । यह मैं आपसे मांग करता हूं ।